ध्येय IAS
most trusted since 2003

DAILY prePARE
Current affairs summary for prelims

11 November 2024

विश्व शहर रिपोर्ट 2024

सन्दर्भ: हाल ही में संयुक्त राष्ट्र मानव बस्तियों के कार्यक्रम (यूएन-हैबिटेट) ने विश्व शहर रिपोर्ट 2024: शहर और जलवायु कार्रवाई जारी की है। यह रिपोर्ट शहरी क्षेत्रों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव का विश्लेषण करती है और वैश्विक तापमान में हो रही वृद्धि को रेखांकित करती है। इसके साथ ही, रिपोर्ट शहरी क्षेत्रों में अनुकूलन प्रयासों को प्रभावित करने वाले वित्त पोषण की कमी पर भी प्रकाश डालती है।

रिपोर्ट के मुख्य निष्कर्ष:

तापमान में वृद्धि और खतरे:

- 2040 तक 2 अरब से अधिक शहरी निवासियों को औसत तापमान में 0.5°C की वृद्धि का सामना करना पड़ेगा।
- इस वृद्धि से चरम मौसम की घटनाओं की तीव्रता में वृद्धि होगी, जैसे:
  - » घनी आबादी वाले क्षेत्रों में गर्म लहरें जन स्वास्थ्य को प्रभावित करेंगी।
  - » अनियमित वर्षा से बाढ़ की संभावना बढ़ जाएगी।
  - » तीव्र चक्रवात तथा तूफान जैसी प्राकृतिक घटनाओं की तीव्रता बढ़ेगी।
- शहरी क्षेत्र, विशेष रूप से बड़े शहर, जलवायु-जनित झटकों के प्रति तेजी से संवेदनशील हो रहे हैं, जिससे जलवायु लचीलापन महत्वपूर्ण प्राथमिकता बन गया है।

शहर: पीड़ित और अपराधी

- शहरी क्षेत्र जलवायु परिवर्तन से असमान रूप से प्रभावित हैं और इस संकट में प्रमुख योगदानकर्ता भी हैं।
- घनी आबादी, उच्च ऊर्जा खपत और तीव्र आर्थिक गतिविधियों के कारण शहरी क्षेत्रों में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन अधिक होता है।
- मेगा-शहर, जहां लाखों लोग रहते हैं, विशेष रूप से बाढ़, गर्म लहरों और तूफानी लहरों जैसे जलवायु झटकों के प्रति संवेदनशील हैं।
- निरंतर शहरी विस्तार संभावित जलवायु आपदाओं का जोखिम बढ़ाता है।

जलवायु निवेश अंतराल:

- जलवायु-अनुकूल बुनियादी ढांचे के विकास और रखरखाव के लिए शहरों को प्रति वर्ष अनुमानत: 4.5 से 5.4 ट्रिलियन डॉलर की आवश्यकता है।
- वर्तमान में उपलब्ध जलवायु वित्त केवल 831 बिलियन डॉलर है, जो आवश्यक राशि का एक छोटा हिस्सा है।
- इस वित्तीय अंतराल के कारण शहरों की बाढ़ सुरक्षा, हरित स्थानों और ऊर्जा कुशल भवनों जैसे आवश्यक बुनियादी ढांचे में निवेश की क्षमता सीमित हो जाती है, जिससे वे जलवायु जोखिमों के प्रति अधिक संवेदनशील बनते हैं।

जलवायु भेद्यता और असमानता:

- रिपोर्ट बताती है कि वे आबादी, जो पहले से ही संरचनात्मक असमानताओं का सामना कर रही हैं, जलवायु परिवर्तन के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील होती हैं:
  - » अनौपचारिक और मलिन बस्तियों में रहने वाले लोग अक्सर उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में बसते हैं और चरम मौसम की घटनाओं से बचाव के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे का अभाव होता है।
  - » ऐसे समुदायों पर जलवायु आपदाओं का असमान प्रभाव पड़ता है और उनके पास अनुकूलन तथा पुनरुद्धार के लिए सीमित संसाधन होते हैं।

हरित स्थानों में कमी और हरित जेंट्रीफिकेशन:

- शहरी क्षेत्रों में हरित स्थानों की हिस्सेदारी 20% से घटकर 14% रह गई है।
- हरित क्षेत्रों की कमी के कारण शहरी ऊष्मा द्वीप प्रभाव (Urban Heat Island Effect) अधिक गंभीर होता जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप शहरी क्षेत्र आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में अधिक तापमान का अनुभव करते हैं।
- जलवायु हस्तक्षेप, जैसे पार्क या हरित स्थानों का विकास, संपत्ति मूल्यों में वृद्धि का कारण बनते हैं, जिससे कम आय वर्ग के निवासियों को विस्थापित होने का खतरा बढ़ता है। इसे 'हरित जेंट्रीफिकेशन' कहा जाता है।

अनुशंसाएँ:

- **राजस्व जुटाना:** ऋण और सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) के माध्यम से वित्त पोषण का सृजन करना तथा जलवायु वित्त जुटाने के अन्य साधनों को स्थापित करना।
- **जलवायु कार्रवाई का एकीकरण:** शहरी नियोजन में जलवायु अनुकूलन को एकीकृत करना और प्रभावी लचीलापन प्राप्त करने के लिए 'नीचे से ऊपर' दृष्टिकोण पर आधारित स्थानीय स्तर पर संचालित प्रयासों को समर्थन देना।
- **सामाजिक संरक्षण कार्यक्रम:** जलवायु झटकों से निपटने के लिए सामाजिक संरक्षण कार्यक्रमों को सुदृढ़ करना और प्रकृति-आधारित समाधानों को अपनाना।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

यूएन–हैबिटेट के बारे में:

- संयुक्त राष्ट्र मानव बस्तियों के कार्यक्रम (यूएन-हैबिटेट) एक ऐसी एजेंसी है, जो सामाजिक और पर्यावरणीय दृष्टि से टिकाऊ शहरों के विकास को बढ़ावा देती है।
- इसकी स्थापना 1978 में मानव बस्तियों पर प्रथम संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (हैबिटेट-I) के उपरांत की गई थी।
- यूएन-हैबिटेट का मुख्यालय नैरोबी, केन्या में स्थित है।
- यह संगठन सतत शहरी विकास को बढ़ावा देने हेतु सरकारों, नागरिक समाज, शैक्षणिक संस्थानों और निजी क्षेत्र के साथ मिलकर कार्य करता है।

आरएनए संपादन (RNA Editing)

सन्दर्भ: हाल ही में, यू.एस. आधारित जैव प्रौद्योगिकी कंपनी वेव लाइफ साइंसेज ने आनुवंशिक विकारों, विशेषकर-1 एंटीट्रिप्सिन की कमी (AATD) के उपचार के लिए आरएनए संपादन तकनीक का एक नया नैदानिक अनुप्रयोग विकसित किया है।

आरएनए संपादन के बारे में:

- आरएनए संपादन एक प्रक्रिया है जिसमें मैसेंजर आरएनए (mRNA) में न्यूक्लियोटाइड को संशोधित किया जाता है, जोकि डीएनए से बनता है और प्रोटीन संश्लेषण में उपयोग किया जाता है।
- डीएनए संपादन जीनोम को स्थायी रूप से बदल देता है, वही आरएनए संपादन में अस्थायी संशोधन होते है जिससे अंतर्निहित आनुवंशिक कोड नहीं बदलते हैं।

आरएनए में शामिल हैं:

- एक्सॉन वे भाग हैं जो प्रोटीन बनाने के लिए आवश्यक सूचना रखते हैं।
- इंट्रॉन वे भाग हैं जो प्रोटीन बनाने के लिए उपयोगी नहीं होते और बाद में हटा दिए जाते हैं।
- आरएनए संपादन एक्सॉन को संशोधित करता है, जिससे प्रोटीन परिणाम बदल जाते हैं। यह संशोधन अस्थायी होते हैं और डीएनए को नहीं बदलते।

आरएनए संपादन के प्रकार:

- **जोड़ (Insertion):** आरएनए अनुक्रम में एक नया न्यूक्लियोटाइड डाला जाता है।
- **विलोपन (Deletion):** आरएनए अनुक्रम में न्यूक्लियोटाइड को हटा दिया जाता है।
- **प्रतिस्थापन (Substitution):** आरएनए अनुक्रम में न्यूक्लियोटाइड को दूसरे से बदल दिया जाता है।

आरएनए संपादन तंत्र:

- एडेनोसिन डेमिनेज (एडीएआर) एंजाइम आरएनए संपादन की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह एंजाइम विशेष रूप से आरएनए में एडेनोसिन बेस को इनोसिन में परिवर्तित करता है, जिससे प्रोटीन संश्लेषण में अलग तरीके से पढ़ा जा सकता है।
- वैज्ञानिक एडीएआर को लक्ष्य मआरएनए अनुक्रम में निर्देशित करने के लिए गाइड आरएनए (जीआरएनए) का उपयोग करते हैं। यह प्रक्रिया आरएनए में सटीक परिवर्तन करने और आवश्यकतानुसार संशोधित प्रोटीन का उत्पादन करने में मदद करती है। वेव लाइफ साइंसेज ने इस तकनीक का उपयोग एएटीडी के इलाज के लिए डब्ल्यूवीई-006 थेरेपी में किया, जो आरएनए संपादन की चिकित्सीय क्षमता को दर्शाता है।

आरएनए संपादन बनाम डीएनए संपादन:

पहलू	डीएनए संपादन	आरएनए संपादन
स्थायित्व	स्थायी जीनोम परिवर्तन जो अपरिवर्तनीय हैं।	अस्थायी, समय के साथ लुप्त होने वाला, प्रतिवर्ती।
रोग प्रतिरोधक क्षमता का पता लगना	इसमें प्रायः जीवाणु-व्युत्पन्न उपकरण (जैसे, CRISPR) का प्रयोग किया जाता है, जो प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं को सक्रिय कर सकता है।	यह मानव कोशिकाओं में प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले ADAR का उपयोग करता है, जो प्रतिरक्षा जोखिम को कम करता है।

आरएनए संपादन के लाभ:

- **अस्थायी संशोधन:** आरएनए संपादन से ऐसे परिवर्तन संभव होते हैं जो समय के साथ समाप्त हो जाते हैं, जिससे रोगियों को किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न होने पर उपचार बंद करने की सुविधा मिलती है।
- **प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया में कमी:** चूंकि ADAR एंजाइम मानव कोशिकाओं में स्वाभाविक रूप से मौजूद होते हैं, इसलिए डीएनए संपादन की तुलना में आरएनए संपादन में प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया का जोखिम कम हो सकता है, जिससे यह बार-बार उपचार की आवश्यकता वाले या प्रतिरक्षा ट्रिगर्स के प्रति संवेदनशील रोगियों के लिए उपयुक्त हो जाता है।

आरएनए संपादन में वर्तमान चुनौतियाँ:

- अपनी क्षमता के बावजूद, आरएनए संपादन को कई बाधाओं का सामना करना पड़ता है:
  - **अस्थायी प्रभाव:** चूंकि आरएनए में परिवर्तन स्थायी नहीं होते, इसलिए वांछित प्रभाव बनाए रखने के लिए उपचार को बार-बार लागू करने की आवश्यकता होती है।
  - **डिलीवरी की सीमाएँ:** लिपिड नैनोपार्टिकल्स और एडेनो-एसोसिएटेड वायरस (एएवी) वेक्टर जैसी मौजूदा डिलीवरी

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

विधियाँ, विशेष रूप से बड़े चिकित्सीय अणुओं के लिए, क्षमता में सीमित हो सकती हैं। यह जटिल बीमारियों के इलाज के लिए आरएनए संपादन की क्षमता को सीमित करता है और डिलीवरी तकनीकों में नवाचार की आवश्यकता होती है।

निष्कर्ष:

आरएनए संपादन आनुवंशिक चिकित्सा में एक परिवर्तनकारी कदम प्रस्तुत करता है, जो आनुवंशिक विकारों के उपचार में सटीकता और अनुकूलनशीलता प्रदान करता है। प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं के कम जोखिम के साथ अस्थायी संशोधनों की लचीलेपन को जोड़कर, आरएनए संपादन व्यक्तिगत, उत्तरदायी उपचारों का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। अपनी वर्तमान सीमाओं पर काबू पाने में आगे की प्रगति के साथ, आरएनए संपादन आनुवंशिक और जटिल रोगों के इलाज के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए तैयार है, जिससे रोगी के परिणामों और जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने के उद्देश्य से अभिनव उपचारों के लिए नए रास्ते खुलेंगे।

यूएनईपी अनुकूलन अंतराल रिपोर्ट 2024

सन्दर्भ: हाल ही में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) ने अनुकूलन अंतर रिपोर्ट 2024: कम हेल एंड हाई वाटर (Come Hell and High Water) जारी की। रिपोर्ट जलवायु अनुकूलन में वैश्विक प्रगति का आकलन करती है और COP29 की बैठक निकट आने पर जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ने के लिए विशेष रूप से वित्तीय प्रतिबद्धताओं की तत्काल आवश्यकता पर ध्यान करती हैं।

अनुकूलन अंतराल क्या है?

- अनुकूलन अंतराल, जलवायु परिवर्तन के अनुकूलन के लिए क्रियान्वित किए जा रहे वास्तविक उपायों तथा सामाजिक और पर्यावरणीय लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आवश्यक अनुकूलन के स्तर के बीच का अंतर है।
- यह संसाधन सीमाओं और प्रतिस्पर्धी प्राथमिकताओं को दर्शाता है जोकि जलवायु लचीलापन रणनीतियों के पूर्ण पैमाने पर कार्यान्वयन को रोकते हैं।

अनुकूलन अंतराल रिपोर्ट 2024 के प्रमुख निष्कर्ष:

- **अनुकूलन वित्त अंतर:**
  - » अनुकूलन वित्त अंतर प्रति वर्ष 187-359 बिलियन डॉलर अनुमानित है।
  - » 2022 तक अनुकूलन वित्त प्रवाह बढ़कर 27.5 बिलियन डॉलर हो गया, लेकिन वास्तविक वार्षिक आवश्यकताएं बहुत अधिक हैं, 2030 तक प्रतिवर्ष 387 बिलियन डॉलर की आवश्यकता होगी।
- **अनुकूलन वित्त में प्रगति:**
  - » विकासशील देशों के लिए अंतर्राष्ट्रीय सार्वजनिक अनुकूलन वित्त 2021 में 22 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2022 में 28 बिलियन डॉलर हो गया।
  - » ग्लासगो जलवायु समझौते के तहत 2019 से 2025 तक अनुकूलन वित्त को दोगुना करके 38 बिलियन डॉलर करने का लक्ष्य है, जो कुल अनुकूलन वित्त अंतर का केवल 5% ही पूरा कर पाएगा।
- **अनुकूलन का महत्व:**
  - » अनुकूलन प्रयासों से वैश्विक जलवायु जोखिम को आधा करने में मदद मिल सकती है।
  - » उदाहरण के लिए, कृषि में प्रतिवर्ष 16 बिलियन डॉलर का निवेश करने से 78 मिलियन लोगों को भूख और भुखमरी का सामना करने से बचाया जा सकता है।
- **अनुकूलन प्रयासों में वृद्धि की आवश्यकता:**
  - » अनुकूलन प्रयासों में अभी भी काफी कमी है। राष्ट्रों को ब्च्29 में अनुकूलन प्रयासों में उल्लेखनीय वृद्धि करनी होगी, विशेष रूप से वित्तीय प्रतिबद्धताओं के संदर्भ में।
  - » हमें प्रतिक्रियात्मक दृष्टिकोण से हटकर पूर्वानुमानित और परिवर्तनकारी अनुकूलन की ओर बढ़ना होगा।

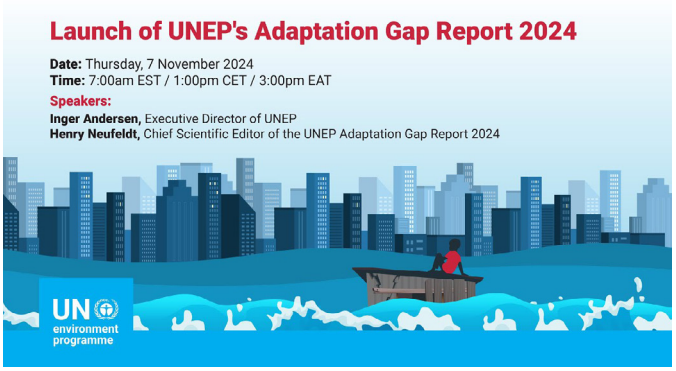

अनुकूलन अंतर को समाप्त करने के लिए सिफारिशें:

रिपोर्ट में अनुकूलन वित्त अंतर को पाटने और प्रयासों को बढ़ाने के लिए कई सिफारिशें दी गई हैं:

- **जलवायु वित्त के लिए एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य अपनाना:** COP29 में अनुकूलन वित्तपोषण सहित जलवायु वित्तपोषण के लिए एक नए लक्ष्य पर सहमति बनाई जानी चाहिए।
- **संस्थागत सुदृढ़ीकरण:** प्रभावी अनुकूलन के लिए आवश्यक संस्थाओं, प्रशासन और वित्तीय साधनों को मजबूत करना।
- **परिवर्तनकारी अनुकूलन:** अल्पकालिक, परियोजना - आधारित दृष्टिकोण से हटकर अधिक दीर्घकालिक, परिवर्तनकारी अनुकूलन की ओर बढ़ें जो प्रणालीगत जलवायु जोखिमों का समाधान करता हो।

वैश्विक एवं राष्ट्रीय अनुकूलन पहल:

- **पेरिस समझौता:** इस ऐतिहासिक समझौते का उद्देश्य वैश्विक तापमान वृद्धि को 2 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखना है। इसमें अनुकूलन क्षमता बढ़ाने और सबसे कमजोर देशों को सहायता प्रदान करने पर विशेष जोर दिया गया है।
- **वैश्विक जलवायु लचीलेपन के लिए यूएई फ्रेमवर्क:** यह फ्रेमवर्क विभिन्न क्षेत्रों, जैसे कृषि, जल संसाधन और स्वास्थ्य में लचीलेपन में सुधार के लिए 11 वैश्विक अनुकूलन लक्ष्य निर्धारित करता है।
- **अनुकूलन कोष:** क्योटो प्रोटोकॉल के तहत स्थापित यह कोष विकासशील देशों में जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए परियोजनाओं को वित्तपोषित करता है।

भारत की राष्ट्रीय अनुकूलन कार्रवाइयाँ:

- **जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना (एनएपीसीसी):** इसमें जलवायु परिवर्तन पर केंद्रित आठ राष्ट्रीय मिशन शामिल हैं, जिनमें नवीकरणीय ऊर्जा, जल संरक्षण आदि शामिल हैं।
- **जलवायु परिवर्तन हेतु राष्ट्रीय अनुकूलन कोष (एनएएफसीसी):** यह कोष विशेष रूप से संवेदनशील राज्यों में अनुकूलन परियोजनाओं को वित्तपोषित करता है।
- **क्षेत्रीय योजनाएँ:** भारत ने मिष्टी (मैंग्रोव पहल) और अमृत जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से तटीय क्षेत्रों में जलवायु लचीलापन बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया है।

यूनेस्को वैश्विक शिक्षा निगरानी रिपोर्ट 2024

सन्दर्भ: हाल ही में यूनेस्को की वैश्विक शिक्षा निगरानी रिपोर्ट 2024 के अनुसार, दुनिया भर में 251 मिलियन बच्चे और युवा अभी भी स्कूल से बाहर हैं, जोकि शिक्षा तक पहुँच में गंभीर असमानताओं और चुनौतियों को उजागर करता है।

रिपोर्ट के प्रमुख निष्कर्ष:

- **शिक्षा में वैश्विक प्रगति स्थिर है:**
  - » 2015 में शिक्षा पर संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्य (SDG) को अपनाने के बाद से 110 मिलियन से अधिक बच्चे और युवा स्कूल में प्रवेश ले चुके हैं।
  - » 2015 की तुलना में 40 मिलियन अधिक युवा माध्यमिक विद्यालय पूरा कर रहे हैं।
  - » इन सुधारों के बावजूद, स्कूल न जाने वाले बच्चों और युवाओं की संख्या में केवल 1% की कमी आई है, जिसका अर्थ है कि वैश्विक स्तर पर अभी भी 251 मिलियन बच्चे और किशोर शिक्षा तक पहुंच से वंचित हैं।
- **शिक्षा तक पहुंच में क्षेत्रीय असमानताएं:**
  - » निम्न आय वाले देशों में लगभग 33% स्कूल जाने योग्य बच्चे स्कूल नहीं जाते हैं, जबकि उच्च आय वाले देशों में यह आंकड़ा केवल 3% है।
  - » विश्व में स्कूल न जाने वाले बच्चों में से आधे से अधिक बच्चे उप-सहारा अफ्रीका क्षेत्र में रहते हैं, जो शिक्षा तक पहुंच में गंभीर क्षेत्रीय असमानताओं को उजागर करता है।
- **शिक्षा वित्तपोषण में चुनौतियाँ:**
  - » रिपोर्ट में शिक्षा के वित्तपोषण को सार्वभौमिक शिक्षा पहुंच प्राप्त करने में एक महत्वपूर्ण बाधा बताया गया है।
  - » 40% देश अपने कुल सार्वजनिक व्यय का 15% से कम और सकल घरेलू उत्पाद का 4% से भी कम शिक्षा पर खर्च करते हैं, जोकि अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों से कम है।
  - » निम्न आय और उच्च आय वाले देशों के बीच फंडिंग का अंतर अधिक है। 2022 में, निम्न आय वाले देशों ने शिक्षा पर प्रति छात्र केवल 55 डॉलर खर्च किए, जबकि उच्च आय वाले देशों में यह खर्च प्रति छात्र 8,543 डॉलर था।
- **ऋण सेवा का बढ़ता बोझ:**
  - » ऋण अदायगी का बढ़ता बोझ राष्ट्रीय शिक्षा बजट पर दबाव डाल रहा है।
  - » अफ्रीका में, कई देशों ने 2022 में ऋण अदायगी पर उतना ही खर्च किया जितना उन्होंने शिक्षा पर किया।
  - » शिक्षा के लिए आवंटित आधिकारिक विकास सहायता (ODA) का हिस्सा 2019 में 9.3% से घटकर 2022 में 7.6% हो गया है, जो बढ़ते वित्त पोषण अंतर को दर्शाता हैं।

शिक्षा में सुधार हेतु के लिए नवीन वित्तपोषण तंत्र:

- इन चुनौतियों से निपटने के लिए, यूनेस्को शिक्षा के वित्तपोषण में कमी को पाटने के लिए अभिनव वित्तपोषण तंत्रों की मांग कर रहा है।
- ऐसा एक तंत्र है 'शिक्षा के लिए ऋण स्वैप', जो ऋणग्रस्त देशों को अपनी ऋण अदायगी को शिक्षा में निवेश में बदलने का अवसर प्रदान करता है।
- **शिक्षा के लिए ऋण स्वैप:**
  - » यह बहुपक्षीय मंच के निर्माण का समर्थन करता है, जहां राष्ट्रीय ऋणों को स्थायी शिक्षा वित्तपोषण में परिवर्तित किया जा सके।
  - » अपने ऋण राहत का कुछ हिस्सा शिक्षा परियोजनाओं के वित्तपोषण में लगाने में मदद मिलेगी, जिससे भावी पीढ़ियों के लिए शिक्षा तक पहुंच सुनिश्चित होगी।
  - » यह पहल मौजूदा ढांचों जैसे कि जी-20 के ऋण पुनर्गठन के लिए सामान्य ढांचे और शिक्षा के लिए वैश्विक भागीदारी (GPE) जैसे बहुपक्षीय वित्त पोषण संगठनों के साथ साझेदारी पर आधारित है।
- **जी-20 और यूनेस्को सहक्रियाएं:**
  - » ब्राजील के फोर्टालेजा में 31 अक्टूबर से 1 नवंबर 2024 तक आयोजित 2024 वैश्विक शिक्षा बैठक में वैश्विक शिक्षा की

स्थिति पर चर्चा करने के लिए वैश्विक नेता और शिक्षा मंत्री एकत्रित हुए।

» वैश्विक शिक्षा बैठक का एक महत्वपूर्ण परिणाम फोर्टालेजा घोषणापत्र था, जिसका 40 से अधिक शिक्षा मंत्रियों ने समर्थन किया। घोषणापत्र में उन महत्वपूर्ण कार्रवाइयों को रेखांकित किया गया, जो यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हैं कि शिक्षा सामाजिक न्याय और सतत विकास का एक प्रमुख चालक बन जाए।

पॉवर पैक्ड न्यूज

जाम्बिया

हाल ही में भारत और जाम्बिया ने लुसाका में अपने संयुक्त स्थायी आयोग का छठा सत्र आयोजित किया, जिससे दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक द्विपक्षीय संबंध और मजबूत हुए। यह बैठक भारत के अफ्रीकी देशों के साथ अपने आर्थिक और कूटनीतिक संबंधों को प्रगति की ओर एक और कदम बढ़ाने का हिस्सा है, जिसमें व्यापार, निवेश और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को प्राथमिकता दी गई है।

जाम्बिया के बारे में:

- जाम्बिया दक्षिण-मध्य अफ्रीका में स्थित एक स्थल-रुद्ध देश है, जिसकी प्रमुख विशेषता इसकी ऊँची पठारी भूमि है। इसका नाम जाम्बेजी नदी के नाम पर रखा गया है, जोकि देश के अधिकांश भाग को जल प्रदान करती है, केवल उत्तर में एक छोटे से क्षेत्र के छोड़कर।
- जाम्बिया की सीमा आठ देशों से लगती है: उत्तर में कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, उत्तर-पूर्व में तंजानिया, पूर्व में मलावी, दक्षिण-पूर्व में मोजाम्बिक, दक्षिण में जिम्बाब्वे और बोत्सवाना, पश्चिम में अंगोला और दक्षिण-पश्चिम में नामीबिया।
- जाम्बिया की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से तांबे के खनन पर निर्भर है, जो इसके सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में महत्वपूर्ण योगदान करता है।
- जाम्बिया के लोग मुख्य रूप से बंटू भाषा बोलते हैं, जो नाइजर-कांगो भाषा परिवार का हिस्सा है।
- **महत्वपूर्ण स्थल:** जाम्बेजी नदी पर स्थित विक्टोरिया जलप्रपात और करिबा झील, जो आयतन के हिसाब से सबसे बड़ा कृत्रिम जलाशय है, जिसे करिबा बांध द्वारा निर्मित किया गया है। इसकी राजधानी, लुसाका, देश का राजनीतिक और आर्थिक केंद्र है।

'ऑस्ट्राहिंड' 2024

- हाल ही में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वार्षिक संयुक्त सैन्य अभ्यास 'ऑस्ट्राहिन्द' का तीसरा संस्करण पुणे में शुरू हुआ।
- दोनों देशों के बीच परस्पर आयोजित किए जाने वाले 'ऑस्ट्रा-हिंद' अभ्यास का उद्देश्य भारतीय और ऑस्ट्रेलियाई सेनाओं के बीच अंतर-संचालन क्षमता को बढ़ाना है, विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र के तहत अर्ध-शहरी और अर्ध-रेगिस्तानी वातावरण में संयुक्त उप-पारंपरिक संचालन के लिए।
- इसका अंतिम संस्करण दिसंबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया में आयोजित किया गया था।
- इस वर्ष का अभ्यास दो प्रमुख चरणों में आयोजित किया जा रहा है: युद्ध तैयारी और सामरिक प्रशिक्षण, जिसके बाद सत्यापन चरण का संचालन किया जाएगा।
- प्रमुख गतिविधियों में संयुक्त संचालन केंद्र की स्थापना, आतंकवादी खतरों के प्रति प्रतिक्रिया, निर्दिष्ट क्षेत्रों पर कब्जा करना और संयुक्त आतंकवाद-रोधी अभियानों जैसे छापे, खोज-और- मिशन शामिल हैं।
- 21 नवंबर तक चलने वाले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में दोनों पक्ष ओवरसीज ट्रेनिंग नोड में रणनीति, तकनीक और परिचालन प्रक्रियाओं में सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान भी करेंगे।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com